बसंतोत्सव–2019 कार्यक्रम में विष्वविद्यालय की सहभागिता

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा राजभवन, देहरादून में दिनांक 09 एवं 10 मार्च 2019 को आयोजित बसंतोत्सव–2019 में स्टॉल लगाया गया।

मा0 श्री राज्यपाल महोदया द्वारा बसंतोत्सव कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा लगाये गये

स्टॉल में विश्वविद्यालय की विभिन्न पाठ्यक्रमों की स्व–निर्मित अध्ययन सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गयी तथा साथ में प्रचार–प्रसार सामग्री भी आगन्तुकों को वितरित की गयी। मा0 कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा भी स्टॉल का निरीक्षण किया गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सहयोग से **"To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community"** विषय पर कार्यशाला का आयोजन

मुनि की रेती, ऋषिकेश में कार्यशाला को सम्बोधित करते विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगो की शिक्षा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में अनुसंधान सम्बन्धी आयोजित पॉच दिवसीय कार्यशाला जाकि श्री दर्शन महाविद्यालय, मुनि की

रेती, ऋषिकेश में दिनांक 28/02/2019 से आयोजित की गई थी जिसकी अध्यक्षता मा0 कुलपति जी द्वारा की गई।

कार्यशाला का समापन दिनांक 04/03/2019 को **मुख्य अतिथि राज्य विधानसभा के अध्यक्ष श्री प्रेमचंद अग्रवाल** एवं विशिष्ट अतिथि राज्य उच्च शिक्षा उन्नयन परिषद की सलाह्कार श्रीमती दीप्ति रावत द्वारा किया गया । विशिष्ट अतिथि श्रीमती दीप्ति रावत ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में स्थित मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा राज्य में इस तरह की कार्यशाला से दिव्यांग लोगो के सशक्तिकरण में लाभ मिलेगा|

<u>दो दिवसीय **Gandhiji Nai Talim in Teacher Education** पर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग</u>

महात्मा गांधीजी के 150वें जन्मदिवस के अवसर पर डॉ0 एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट हैदराबाद में दिनांक 27-28 फरवरी, 2019 को दो दिवसीय **Gandhiji Nai Talim in Teacher Education** पर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्षों को प्रतिभाग करने हेतु मा0 श्री राज्यपाल महोदया द्वारा निर्देशित किया गया था।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्रध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा प्रतिभाग किया गया। सम्मेलन से सम्बन्धित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। **(संलग्नक- क)**

<u>परीक्षा</u>

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा दिसम्बर-2018 से संबधित समस्त परीक्षाफल दिनांक 29/03/2019 को अन्तिम रूप से घोषित किये जा चुके है। विश्वविद्यालय के पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा का परिणाम दिनांक 16 मार्च 2019 को घोषित किया गया। मार्च माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 269 मूल उपाधियॉ एवं 75 अन्तंरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित किये गये ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
दिनांक 8 मार्च, 2019

विश्वविद्यालय मुख्यालय में दिनांक 8 मार्च, 2017 को मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में महिला दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में मा0 कुलपति जी द्वारा महिलाओं को अपनी शक्ति पहचानने एवं संवेदनशील बनने पर सुझाव दिया। उन्होने कहा कि महिलाओं के योगदान को किसी भी कीमत पर कम नहीं आका जा सकता है, उन्हें और मजबूत बनाये जाने की जरूरत है, और कहा कि महिलाएं दया की नहीं सम्मान की पात्र है। कुलसचिव प्रोफेसर श्री भरत सिंह ने महिलाओं की समस्याओं पर विशेष जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस में प्रतिभाग करते मा0 कुलपति सहित समस्त षिक्षक एवं कार्मिक

मा0 कुलपति जी श्रीमती सुनीता भट्ट एवं कुमारी निर्मला को

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की दो महिला कार्मिक श्रीमती सुनीता भट्ट, रेडियो परामार्शदाता एवं कुमारी निर्मला को मा0 कुलपति जी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचाल डॉ0 राजेन्द्र सिंह कैड़ा, हिन्दी विभाग द्वारा किया गया।

इसी क्रम में दिनांक 8 मार्च 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून में भी अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय थीम “Think Equal, Build Smart, Innovate for Change” के अर्न्तगत भारतीय परिदृश्य में महिला समानता एवं महिला सशक्तिकरण पर एस0जी0आर0आर0 (पीजी) कालेज, देहरादून के सभागार में संगोष्ठी आयोजित की गयी। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य नई सोच के साथ लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर अपना ध्यान केन्द्रित करना था। संगोष्ठी में कई वक्ताओं ने अपने विचार रखें साथ ही इस अवसर पर शहीदों के परिजनों एवं विभिन्न क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ0 शुचिस्मिता सेन गुप्ता पाण्डेय (सचिव, राज्य खाद्य आयोग एवं अपर आयुक्त, नागरिकता आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण उत्तराखण्ड सरकार), कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो0 दुर्गेश पंत (निदेशक, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइन्स एण्ड इन्फॉरमेशन टेक्नॉलोजी, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी), मुख्य वक्ता डॉ0 रश्मि रावत (असिस्टेंट प्रोफेसर डी0ए0वी0 पी0जी0 कॉलेज देहरादून), विशिष्ट अतिथि डॉ0 अनिता रावत (कुलसचिव, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून), प्रो0 विनय आनन्द बौड़ाई (प्राचार्य, एस0जी0आर0आर0 (पीजी) कॉलेज, देहरादून) एवं श्रीमती शिवानी कोटनाला (निदेशक, लर्निंग ट्री स्पेशल स्कूल, देहरादून) रहे। उक्त कार्यक्रम में परिसर देहरादून के प्रभारी निदेशक डॉ0 सुभाष रमोला ने महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में अपना कौशल दिखाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 भावना डोभाल (अकादमिक परामर्शदाता, समाजशास्त्र विभाग) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एस0जी0आर0आर0 (पीजी) कालेज, देहरादून के शिक्षक–शिक्षिकाओं, छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय जनता के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
हिन्दुस्तान, ९ मार्च २०१९

शहीदों के परिजन और महिलाएं सम्मानित

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) और एसजीआरआर पीजी कालेज के संयुक्त तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य खाद्य आयोग सचिव डा. सुचिस्मिता सेनगुप्ता पांडे, डा. रश्मि त्यागी रावत ने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दुर्गेश पंत ने की। एसजीआरआर के प्राचार्य प्रो. विनय आनंद बौड़ाई, यूटीयू कुलसचिव डा. अनिता रावत, शालिनी कोटनानाला आदि मौजूद रहे। इस दौरान शहीद हवलदार नरेंद्र सिंह बिष्ट और राइफलमैन संदीप सिंह रावत के परिवारजनों को सम्मानित किया। साथ ही महेश्वरी खाती, मधु जैन, योगाचार्य रेखा रतूड़ी, सुषमा बोहरा, कुसुम भट्ट, अमिता देवी, नेहा गुप्ता, बीना अग्रवाल, मंजू देवी, प्रभा देवी को सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी से संबंधित छायाचित्र

विश्वविद्यालय की दिव्यांग कर्मचारी को मिला गोल्ड मेडल

विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय में कार्यरत कु0 निर्मला को राष्ट्रीय स्तर पर पैरा-बैटमिन्टन में प्रतिभाग किया जिसमें उन्हें 1 गोल्ड मेडल तथा 2 सिल्वर मेडल प्राप्त हुए।

दिनांक 15 से 17 मार्च, 2019 को डॉ0 अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल थर्ड राष्ट्रीय पैरा बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन स्पोट्स स्टेडियम, रूद्रपुर में किया गया जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी डा0 नीरज खैरवाल ने किया। प्रतियोगिता में 23 राज्यों के 277 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया था।

मा0 कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी तथा कुलसचिव श्री भरत सिंह ने कु0 निर्मला को को उनकी इस उप्लब्धि पर बधाई दी तथा उनके उज्वल भविष्य हेतु शुभकानाएँ दी।

कुमारी निर्मला को गोल्ड मैडल मिलने पर मा0 कलपति एवं कुलसचिव प्रोत्साहित करते हुए।

<u>प्रवेश</u>

विश्वविद्यालय में दिनांक 01 जनवरी, 2019 से शीतकालीन सत्र 2019 में सेमेस्टर पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्रारंभ किये गये है। दिनांक 31/3/2019 तक कुल 9230 प्रवेशार्थियों ने प्रवेश लिया है।

<u>अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण</u>

- दिनांक 30 मार्च, 2019 को मा0 कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा रामनगर में अध्ययन केंन्द्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय में किताबों के रखरखाव व कक्षाओं की बेहतर

मा0 कुलपति जी द्वारा रामनगर में अध्ययन केंन्द्र का निरीक्षण किया गया।

व्यवस्था पर स्टाफ की प्रशंसा की तथा कहा कि अध्ययन केन्द्रों में आने वाली समस्याओं को शीघ्र दूर किया जायेगा।

- माननीय कुलपति जी ने दिनांक 23 मार्च, 2019 को गंगोलीहाट में अध्ययन केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं एवं सुझावों को साझा किया। कुलपति जी द्वारा वहाँ से अन्य अध्ययन केन्द्रों जैसे कांडा, गरूड़, तलवाड़ी, गंगोलीहाट, बेरीनाग, गड़ाईगंगोली के अध्ययन केन्द्रों की भी जानकारी प्राप्त की गई।

मा0 कुलपति जी द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बागेश्वर का निरीक्षण

- दिनांक 24 मार्च, 2019 को कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बागेश्वर का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय लगातार शिक्षा के नए आयाम की ओर बढ़ रहा है किन्तु कुछ विसंगतिया अभी बाकि है जिन्हें जल्द दूर किया जायेगा।

<u>उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सहयोग से **“To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community”** विषय पर कार्यशाला का आयोजन</u>

उपरोक्त विषय पर ही दिनांक 15/03/2019 को एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन शक्तिफार्म नगर पंचायत के सामुदायिक भवन के प्रांगण मे किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उत्तराखण्ड

शक्तिफार्म, यू0एस नगर पंचायत के सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी जी, समाजसेवी तपन सरकार और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया|

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का हमेशा ये प्रयास रहा है कि राज्य के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार प्रसार किया जाये| सभी सामाजिक कुरीतियाँ अशिक्षा के कारण

कार्यशाला में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

समाज में व्यापत रहती है, इसलिए वर्तमान में आवश्यकता है कि शिक्षा के माध्यम से सभी कुरीतियों के खिलाफ समाज के लोगो को जागरूक किया जाये|

कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा मुक्त विश्वविद्यालयद्वारा पूर्व में चलाये गये कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षकों एवं छात्रों और स्थानीय लोगों को नशे एवं शराब के दुष्प्रभाव के विषय में जागरूक करना बताया। कार्यशाला में शक्तिफार्म क्षेत्र के विभिन्न कॉलेज के शिक्षक एवं छात्रों सहित स्थानीय संस्थाओं के लोग उपस्थित रहे।

<u>कार्यशालायें एवं संगोष्ठियाँ</u>

कार्याशाला में प्रतिभाग करते मा0 कुलपति प्रो0 नेगी।

- दिनांक 1 एवं 2 मार्च, 2019 को विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर, सूचना विज्ञान विद्याशाखा और सूचना संचार तकनीकी अनुभाग ने यूसर्क उततराखण्ड विज्ञान शिक्षा शोध परिषद के सहयोग से विश्वविद्यालय में **"Capacity building workshop on Development of Online Courses using Moodle Learning Management System"** विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डिजिटल कंटेंट के प्रबंधन की क्षमता विषय पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ

कार्यशाला को संबोधित करते मा0 कुलपति प्रो0 नेगी।

के रूप में इग्नू आई यू सी की उप निदेशक डॉ0 निशा सिंह थीं। उद्घाटन सत्र में यूसर्क के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नेगी ने द्वारा अपने विचार रखे कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विश्वविद्यालय घर पर शिक्षा प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना ही इसलिए की गयी है कि वे हर वंचित को उनके द्वार जाकर शिक्षा प्रदान करें और इसे सफल बनाने में डिजिटल कंटेंटस एवं सूचना तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उनके द्वारा इस बात पर भी जोर दिया कि विश्वविद्यालय वर्चुअल कक्षाओं पर फोकस कर रहा है जिसके माध्यम से दूर एवं घर बैठे अपने छात्रों को ई वीडियों, ई ओडियो तथा ई टेक्सट के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। तकनीकी सत्र में कार्यशाला की विषय विशेषज्ञ डॉ0 निशा सिंह ने विभिन्न विश्वविद्याल, तकनीकी एवं शोध संथानों से पधारे इंजीनियर व वैज्ञानिक प्रतिभागियों को ऑनलाईन कोर्स में डिजिटल कंटेंटस का सफल प्रबंधन कैसा किया जाये उसकी विस्तार से जानकारी दी। उनके द्वारा विशेष रूप से ओपन एजुकेशनल रिसोर्स, क्रिएटिव कामंस लाईसेंस एवं मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के

संबन्ध में जानकारी व प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के निदेशकगण, सहायक प्रध्यापक एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

- दिनांक 27 एवं 28 मार्च, 2019 को कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा एवं सूचना तकनीकी विभाग द्वारा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता आधारित शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरूआत डॉ0 जीतेन्द्र पांडे, सहायक प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान द्वारा स्वागत भाषण से हुई।

कार्यशाला विशेषज्ञ, प्रो0 करूणेश सक्सेना कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा एवं सूचना तकनीकी विभाग और सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एस्योरेंस (सीका), कॉमनवेल्थ एजुकेशन मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीमका) के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ तथा अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति जी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा की गुण्वत्तामें सुधार का माध्यम बनेगी। उन्होंने कार्यशाला में हिस्सा ले रहे प्राध्यापकों और विशेषज्ञों का आह्वान किया कि वह शोध टूलकिट का बेहतर उपयोग कर दूरस्थ शिक्षा पद्धति को बेहतर बनाने में योगदान दें।

सीका के निदेशक प्रो0 आर सी मिश्र ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य दूरस्थ शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाना है। इस दौरान मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के मुख्य विशेषज्ञ प्रो0 करूणेश सक्सेना ने प्रतिभागियों को टूलकिट और यूजर मैनुअल की जानकारी दी तथा दूरस्थ शिक्षा पद्धति को बेहतर बनाने पर जोर दिया।

हल्द्वानी क्षेत्रीय कार्यालय, एम0बी0पी0जी0 महाविद्यालय अध्ययन केन्द्र का दौरा करते कार्यशाला के प्रतिभागी

कार्यशाला के दूसरे सत्र में विश्वविद्यालय के हल्द्वानी क्षेत्रीय कार्यालय, एम0बी0पी0जी0 महाविद्यालय अध्ययन केन्द्र का दौरा किया तथा प्रो0 करूणेश सक्सेना ने प्रतिभागियों को टूलकिट और यूजर मैन्वल प्रदान की।

- दिनांक 29 मार्च, 2019 को विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार निदेशालय तथा समाज विज्ञान विद्याशाखा की ओर से **'वैश्विक सूचना तकनीकी में भारत का योगदान'** विषय पर आयोजित गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में टीसीएस के पूर्व उपाध्यक्ष व बिजनेस स्टैंडर्ड के कार्यकारी संपादक डॉ0 शिवानंद कानवी मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने सूचना तकनीकी के क्षेत्र में भारत को संपूर्ण विश्व में श्रेष्ठ बताया। उनके द्वारा दावा किया गया कि आईटी एक्सपर्ट के योगदान के चलते ही आज पूरा विश्व एक गांव के रूप में नजर आता है तथा अधिकांश कम्प्यूटर अवयव भारत की धरती पर पैदा हुए है। उनके द्वारा इस पर भी प्रकाश डाला कि भारत के आईटी वैज्ञानिकों ने सूचना तकनीकी में

विश्व स्तर पर अभूतपूर्व विकास तो किया ही, साथ ही आई टी सेक्टर में लाखों युवाओं को रोजगार दिलाने का भी कार्य किया।

इस अवसर पर शोध एवं नवाचार व समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। गोष्ठी की पृष्ठभूमि पर शोध एवं नवाचार की सहायक निदेशक डॉ0 मंजरी अग्रवाल ने प्रकाश डाला। गोष्ठी में विश्वविद्यालय के अकादमिक निदेशक प्रो0 आर0सी0 मिश्र, शोध एवं नवाचार निदेशालय तथा समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा पाण्डे एवं अन्य शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- दिनांक 30 मार्च, 2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग की ओर से ‘ज्योतिषशास्त्र का लोक कल्याणकारी स्वरूप’ विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 एच0पी0 शुक्ल द्वारा की गई। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी को आमंत्रित किया गया था। उनके द्वारा ज्योतिष की असीमित संभवनाओं पर चर्चा की और कहा कि ज्योतिष की सीमा शून्य से अंत तक है।

ज्योतिष कार्याशाला में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

संगोष्ठी में महादेव गिरी संस्कृत विद्यालय के डॉ0 नवीन चन्द्र जोशी एवं सनातन संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्रचार्य डॉ0 गोपाल दत्त त्रिपाठी ने कहा कि ज्योतिष नेत्र के रूप में हमें मार्ग दर्शन कराता है, यह जीवन का नेतृत्व करता है। प्रो0 जगन्नाथ ने ज्योतिष पर विशेष कार्य करने व शोध किए जाने पर जोर दिया। संगोष्ठी का समापन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा किया गया।

- दिनांक 27-28 फरवरी, 2019 को विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र द्वारा आयोजित **"Employment Skills for Sustainable Livelihood"** विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप मा0 कलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अध्ययन केन्द्र सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्याशाला में प्रतिभाग करते मा0 कलपति।

- दिनांक 30 मार्च, 2019 को मा0 कुलपति जी द्वारा राजकीय महाविद्यालय, रामनगर में **"Socio-Economic and Environmental Dimensions of Globalization: Issues, Opportunities and Challenges"** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में अध्यक्ष के रूप में प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में प्रो0 आर0सी0 मिश्र, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया गया।

मा0 कुलपति जी राष्ट्रीय सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए।

- योग विभाग द्वारा फरवरी माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा निम्नानुसार सम्पन्न की गयी –

योग कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो0 नेगी

क्रम संख्या	संस्थान का नाम	दिनांक	कुल प्रतिभागी
1	आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय किच्छा, उधमसिह नगर।	06 मार्च 2019 से 15 मार्च 2019 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16 मार्च 2019	एम० ए० योग द्वितीय वर्ष

2	आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय किच्छा, उधमसिह नगर।	23 मार्च 2019 से 01 मार्च 2019 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02 मार्च 2019	योग विज्ञान में डिप्लोमा/ स्नातक प्रथम वर्ष
3	आदित्य योग प्राकृतिक चिकित्सालय किच्छा, उधमसिह नगर।	23 मार्च 2019 से 01 मार्च 2019 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 02 मार्च 2019	एम० ए० योग प्रथम वर्ष

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुवा। प्रयोगात्मक सत्रों में कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के दिशा- निर्देश में प्रातःकाल कुल 10 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम ,मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया। सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये । प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग- अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये

मा0 कुलपति जी द्वारा योग कार्यशाला में प्रतिभाग

विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला। जिसमें डा० अमृत लाल गुरूवेंद्र , एसो0 प्रोफेसर देवसंस्कृति विष्वविद्यालय, हरिद्वार, निसर्गाचार्य डी0 एन0 शर्मा ममता पंत योग विभाग राज0 एम0 बी0पी0 जी0 कालेज,हल्द्वानी, डा0 कंचन जोशी, डा राजेन्द्र केडा, डा0 गगन सिह, डा0 देवेश मिश्र के अलावा कार्यक्रम संयोजक योग विभाग डा0 भानु प्रकाश जोशी ने समय–समय पर अपने पाठ्यक्रम से सम्बनिधत अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये ।

दिनांक 15 मार्च को विश्वविद्यालय के कुलपति जी प्रो0 ओ0पी0 एस0 नेगी जी तथा विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0आर0 सी0 मिश्र ने समापन सत्र में कार्यशाला में प्रतिभाग किया ।

- मा0 कुलपति प्रो0 ओपीएस नेगी द्वारा दिनांक 29 मार्च, 2019 को कम्प्यूटर विज्ञान विभाग व यूसर्क देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में, कुमांऊ विश्वविद्यालय के एसएसजे परिसर में आयोजित, एक दिवसीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया गया।

मा0 कुलपति जी द्वारा संगोष्ठी में प्रतिभाग

कुलपति जी ने तकनीकी तथा उसकी व्यापकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तकनीक के साथ शिक्षा बेहद जरूरी है। यही नहीं उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए तमाम रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है जिसका फायदा युवा घर बैठे ही उठा सकते हैं। इस दौरान

उन्होंने एसएसजे परिसर अल्मोड़ा में इसका एक केंन्द्र खोलने की जरूरत बताई। वहीं यूसर्क के निदेशक व उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत ने वर्तमान दौर एवं तकनीकी की प्रासंगिकता पर अपना व्याख्यान दिया।

- दिनांक 03-31 मार्च, 2019 को राजकीय इन्टर कालेज, तेजम में चल रही दो दिवसीय विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी कार्यशाला ओयाजित हुई जिसमें समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा प्रतिभाग किया गया।

श्री भरत सिंह कुलसचिव कार्यशाल में प्रतिभाग करते हुए।

शोध एवं नवाचार

- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्री कुमार नलिन (नामांकन संख्या–12027925) की पीएच. डी. मौखिकी परीक्षा इतिहास विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत शोध शीर्षक, "Gandhi and mao: A Comparatives Study of their Approaches/Strategies and Relevance in the modern context" पर दिनांक 08 मार्च 2019 को मध्याह्न 12:00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित की गई।

- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्री दीप चन्द्रा (नामांकन संख्या–13040440) की पीएच. डी. पूर्व परीक्षा (Pre-Submission) प्रबन्ध अध्ययन विभाग, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के अन्तर्गत शोध शीर्षक "AN ASSESSMENT OF CREDIT RISK MANAGEMENT AND FINANCIAL PERFORMANCE OF BANKS: A CASE STUDY OF NAINITAL BANK LTD" दिनांक 15 मार्च 2019 को

आयोजित की गई। जिसमें प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा, के शोध निर्देशक प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र एवं विभागीय शोध सलाहकार समिति के सदस्य तथा सम्बंन्धित विभागों के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

- विश्वविद्यालय के शोधार्थी श्री भुवन चन्द्र तिवारी (नामांकन संख्या–12027911) की पीएच.डी. पूर्व परीक्षा (Pre-Submission) शिक्षक शिक्षा विभाग, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के अन्तर्गत शोध शीर्षक "STUDY OF EMOTIONAL INTELLIGENCE, SATISFACTION WITH LIFE AND HAPPINESS OF SENIOR SECONDARY SCHOOL TEACHERS IN RELATION TO SELECTED SOCIO-EDUCATIONAL VARIABLES." दिनांक 19 मार्च 2019 को आयोजित की गई जिसमें शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, के शोध निर्देशक प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल एवं विभागीय शोध सलाहकार समिति के सदस्य तथा सम्बंन्धित विभागों के प्राध्यापक उपस्थित रहे।
- पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा–2018 के आवेदकों की लिखित परीक्षा का परिणाम दिनांक 19 मार्च 2019 को विश्वविद्यालय की वेबसाइड में अपलोड कर दिया गया है।
- पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा–2018 की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण आवेदकों के साक्षात्कार हेतु विषयवार सूची दिनांक 31 मार्च 2019 को विश्वविद्यालय की वेबसाइड में अपलोड कर दी गयी है।

माह मार्च, 2019 में हैलो हल्द्वानी से प्रसारित कार्यक्रम

1. कार्यक्रमः सखी सहेली, अतिथिः महिला अस्पताल की सीएमएस डा. भागीरथी जोशी, विषयः गर्भावस्था के दौरान महिलाएं बरतें एहतियात, वार्ताकारः सुनीता भास्कर।
2. कार्यक्रमः सखी सहेली, अतिथिः कृष्णा हास्पिटल एंव रीसर्च सेंटर की स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. ऋतु त्रिपाठी, विषयः एंड्रोमेट्रयोसिस, वार्ताकारः सुनीता भास्कर।

3. कार्यक्रमः सखी सहेली, अतिथिः श्री राम हास्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. सना अंसारी, विषयः पीसीओडी, वार्ताकारः सुनीता भास्कर|
4. महिला दिवस पर चार महिला कवियत्रियों की कविताओं का पाठ किया गया। प्रस्तुतकर्ताः सुनीता भास्कर|
5. कार्यक्रमः हेल्दी हल्द्वानी, अतिथिः सुशीला तिवारी हास्पिटल मे एसोसिएट प्रोफेसर डा. डी सी पुनेरा, विषयः कैसे रोकें टी.बी., वार्ताकारः सुनीता भास्कर|
6. कार्यक्रमः हेल्दी हल्द्वानी, अतिथिः श्री राम मूर्ति अस्पताल भोजीपुरा बरेली की डाक्टर डा. रुचिका गोयल (फोन इन) विषयः टी.बी. से बढ़ती बांझपन की समस्या, वार्ताकारः सुनीता भास्कर|
7. विश्व अंतराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर उत्तराखंड में भाषाओं की स्थिति पर एक पड़ताल की गई थी। प्रस्तुतकर्ताः सुनीता भास्कर|
8. कार्यक्रमः मुलाक़ात, अतिथिः दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय की सोशल रिसर्चर रागिनी पन्त, वार्ताकारः भूपेन सिंह|
9. कार्यक्रमः मुलाक़ात, अतिथिः दक्षिण पिथौरागढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ़ टैक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के धरमेन्द्र हेनरी, वार्ताकारः भूपेन सिंह|
10. रेडिओ रिपोर्टः स्वस्त्ययन पब्लिक स्कूल उद्घाटन, मुख्य अतिथिः मुख्य मंत्री उत्तराखंड श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, रिपोर्टरः अनिल नैलवाल|

11. कार्यक्रम: हमारे पहाड़, अतिथि: डॉ. राजेन्द्र कैड़ा, विषय: पहाड़ों के सामाजिक परिवेश में फूलदेई, वार्ताकार: अनिल नैलवाल|
12. कार्यक्रम: हमारे पहाड़ में पहले और आज के दौर की होली पर एक अध्ययन, प्रस्तुतकर्ता: अनिल नैलवाल|

13. विश्व जल दिवस पर सुनीता भास्कर की रेडियो रिपोर्ट:
14. कार्यक्रम: मिसाल बेमिसाल, अतिथि: समाज सेविका गुंजन बिष्ट अरोड़ा, विषय: बाल मजदूरी-एक अभिशाप, वार्ताकार: सुनीता भास्कर|
15. कार्यक्रम: उत्तराखण्ड परिक्रमा, अतिथि: डॉ.अरुण कुक्षाल, वार्ताकार: सुनीता भास्कर|
16. कार्यक्रम: बात पहाड़ की, अतिथि: विपिन चन्द्र जोशी, विषय: बिन्सर सेंचुरी वार्ताकार: सुनीता भास्कर|
17. कार्यक्रम: आधी आबादी, अतिथि: वंदना नेगी & तनुजा जोशी, वार्ताकार: सुनीता भास्कर|

18. कार्यक्रम: मिसाल बेमिसाल, अतिथि: वंदना नेगी, वार्ताकार: सुनीता भास्कर|

19. कार्यक्रमः बच्चों की दुनिया, अतिथिः निनिता, विश्रुत & यानवी, वार्ताकारः सुनीता भास्कर|

20. कार्यक्रमः उत्तराखंड परिक्रमा, अतिथिः भुवन पाठक विषय, :उत्तराखंड में महिला नेतृत्व की शुरुआत व भूमिका, वार्ताकारः सुनीता भास्कर|

21. राष्ट्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर हैलो हल्द्वानी मतदाता जागरूकता पर पांच कार्यक्रमों का निर्माण कर रहा है। जिसमें पहला एपिसोड चुनाव क्यों जरूरी, दूसरा एपिसोड वाह् ईवीएम, तीसरा एपिसोड निर्वाचन आयोग – एक परिचय, चौथा एपिसोड कैसे करें मतदान पांचवा एपिसोड मतदान संदेश बनाया जा रहा है।

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- ख)

<u>शोध पत्रों का प्रकाषन</u>

डॉ. गगन सिंह, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा "*Higher Education Among Scheduled Tribes Through Open and Distance Learning*", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र ***University News, Association of Indian Universities, Vol. 57, No. 09, March, 2019, 04-10,*** *New Delhi (India), pp. 21-26.* ***(ISSN: 0566-2257)*** में प्रकाशित हुआ।

अन्य गतिविधियाँ

- दिनांक 28 मार्च को वित्त समिति की 12वीं बैठक का आयोजन किया गया। मा कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डॉ0 सुरेश चन्द्र पंत, निदेशक उच्च शिक्षा, श्री भूपेन प्रसाद काण्डपाल, मुख्य कोषाधिकारी, प्रो0 बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैग्वेज, हिमांचल प्रदेश, श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त नियंत्रक, श्री भरत सिंह, कुलसचिव, श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव (वित्त) द्वारा विभिन्न बिन्दुओं पर निर्णय लिये गये।
- विश्वविद्यालय में अग्निशमन विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में अग्नि से सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अग्निशमन अधिकारियों द्वारा अग्नि से बचाव के उपाय बतायें गये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मा0 कलपति, कुलसचिव, निदेशकगण एवं विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अग्निशमन अधिकारीगण प्रशिक्षण देते हुए1

- छात्र–छात्राओं के सेवायोजन हेतु दिनांक 19.03.2019 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून के समन्वय से NIIT Limited के द्वारा AXIS Bank के लिये एस0जी0आर0आर0 (पीजी) कालेज, देहरादून में कैम्पस प्लेसमेंट आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के एक छात्र का चयन हुआ हैं।

- माह मार्च में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, वर्ष 2019-20 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये। (विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ग)

....